International Journal of HumanitiesAnd Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 30-04-2026, Accepted: 31-05-2026, Published: 15-06-2026
Volume 12, Issue 2, 2026, Page No. 300-304

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

खुशबू पढियार[1], कु चिन्मयी दास[2]
[1] शक्षार्थी, प्रगति महाविद्यालय, चौबे कॉलोनी रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत
[2] सहायक प्राध्यापिका, शिक्षा संकाय, प्रगति. महाविद्यालय, चौबे कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत
DOI: https://doi.org/10.66856/ijhssr.2026.12.2.12199

सारांष
प्रस्तुत लघु शोध में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययन रत विधार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। मुख्य रूप से यह शोध छात्रों एवं छात्राओं का पारिवारिक वातावरण या उनके समायोजन क्षमता को प्रकार प्रभावित करती है। गणना हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कुल 120 विद्यार्थियों को चयनित किया गया एवं सांख्यिकी गणना हेतु मध्यमान, मानक विचलन, सहसंबंध एवं क्रान्तिक अनुपात ज्ञाता किया गया। अन्त परिणाम यह ज्ञात हुआ कि पारिवारिक वातावरण का समायोजन क्षमता पर ऋणात्मक सहसंबंध प्राप्त हुआ। एक छात्रों के पारिवारिक वातावरण का प्रभाव उनके समायोजन क्षमता पर तुलनात्मक परिवर्तन देखा गया एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का प्रभाव उनके समायोजन पर अधिक सार्थक रूप में देखा गया। दोनों समूह के छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर पाया गया।

मूलषब्दः उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थी, पारिवारिक वातावरण, समायोजन क्षमता

शिक्षा प्रत्येक मान के व्यक्तित्व की उत्कृष्टता का सिरमौर माना जाता है जो मानव विकास का मूल साधन है। शिक्षा द्वारा मानव की जन्मजात आंतरिक शक्तियो का विकास मानव के ज्ञान, कला, कौशल में बढोत्तरी करने हेतु शिक्षा एक आवश्यक पहलू मानी गई हैं। यही मानव व्यवहार को उसके सामाजिक एवं पारिवारिक वातावरण से प्राप्त होता है। समाज एक सामाजिक संबधों का जाल होता है तथा मानव समाज के इतिहास में परिवार का अस्तित्व मानव जीवन के प्रारम्भ से ही माना जाता है बालक अपने जन्म से मृत्यु तक परिवार के वातावरण मे रहकर सम्पूर्ण जीवन व्यतीत करता है। बालक आदतें, व्यवहार चरित्र सभी उसके आस–पास के पारिवारिक वातावरण एवं परिवेश पर निर्भर करता हैं।

बालक की आन्तरिक शक्तियों के विकास में अत्यधिक महत्त्वपूर्ण उसका समीपस्थ पारिवारिक एवं सामाजिक वातावरण होता है जिससे बालक एवं बालिका का समाजीकरण निरन्तर रूप से होते जाता है। एक बालक के अच्छे–बुरे गुण परिवार पर निर्भर होते हैं जैसे बालक का व्यवहार, चरित्र, व्यक्तित्व ज्ञान इत्यादि। प्रत्येक बालक की अविधिक शिक्षा सामान्य रूप से परिवार से ही प्रारम्भ होती है अतरू बालक का अत्यधिक एवं सबसे महत्त्वपूर्ण समय परिवार में ही व्यतीत होता है।

जैसे जैसे उसकी अवस्थाओं में परिवर्तन आता है ठीक वैसे ही बालक में क्रांतिकारी, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक सावेंगिक परिवर्तन आते है उसी के साथ किशोरावस्था तक वह बुरी आदतों, एकांतप्रीयता जैसी प्रवृत्तियाँ, सामाज एवं परिवार से समायोजन करने में कमी देखी जाती है साथ ही उसकी भावनात्मक स्थिति एवं आवेगों में बदलाव की स्थिति अधिक होती जाती है जिससे वह प्रायः विरोधी स्वभाव एवं विरोधी व्यवहार करने लगते हैं। जिसे समझना कठिन हो जाता है इस स्थिति में बालक अपने आदर्शो, सवेंगो मूल्यों में संघर्ष का अनुभव करते है। जिसके फलस्वरूप उनकी अतः स्थिति द्वंदात्मक होने लगती है।

इससे सामना करने हेतु समायोजन क्षमता को बढावा दिया जाता है जिससे यह भावनात्मक रूप से सुद्रढ़ बन सके भावनात्मक बुद्धि एक आन्तरिक योग्यता मानी जाती है जिससे व्यक्ति सवेंगो को महसूस करने समझने एवं प्रभावपूर्ण नियंत्रण करने की क्षमता रखता है। जिसके माध्यम से व्यक्ति सवेंगो को पहचानता है उसका उचित प्रकटीकरण कर दूसरों के भावनाओं को समझकर उनके समाज व्यवहार कर समायोजन स्थापित करता है यह एक व्यक्तिगत कौशल है जो अलग– अलग व्यक्ति से अलग–अलग मान के अनुरूप सामाजिक समायोजन का व्यवहार स्थापित करता है समायोजन ही जीवन माना जाता है। व्यक्ति के जीवन की समस्याओं का समाधान समायोजन में अन्तः निर्हित होता है समायोजन का सीधा संबंध व्यक्ति के व्यवहार द्वारा उसके पारिवारिक स्तर, शैक्षिक स्तर, सामाजिक स्तर पर प्रभाव डालता है।

अतः किशोरावस्था में बालको द्वारा समायोजन वर्तमान संदर्भो में विचारनीय एवं शोधात्मक विषय है इसी क्षेत्र में विभिन्न पारिवारिक स्तर किस प्रकार विभिन्न समायोजन स्तर को प्रभावित करते है।

अध्ययन का औचित्य

उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी अपनी किशोरावस्था में होते है उनकी इस अवस्था मे एक परिवार व समाज का महत्तवपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है चूँकि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक के सर्वागीण विकास प्रक्रिया में शिक्षक द्वारा एक बालक को रहन–सहन, बोलचाल, शैक्षिक प्रवृत्तियाँ, सामाजिक, पारिवारिक सुदृढ़ता की समझ के लिए तैयार किया जाता है। अपनी अभिरुचियों को विकसित करने हेतु सुसमायोजित व्यवहार एक बालक के लिए अति आवश्यक माना जाता है।

वर्तमान युग परिवर्तनीय युग है। जिसमे दैनिक रूप से नित नवीन समस्याओं से जुझने हेतु एक बालक का पारिवारिक वातावरण ही उसके समायोजित व्यवहार के निर्माण में सहायक भूमिका का निर्वहन करता है। जिसके लिए आवश्यक है एक सुदृढ़ समाज कि जो किशोर के भावनात्मक सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक एवं शैक्षिक गतिविधियों का समायोजन कर उनके परिवार एवं समाज के मध्य भावनात्मक संबंधों को मजबूत बना सके। जो उनके भावी लक्ष्यों को प्राप्त करने में तथा उनके अच्छे भविष्य की कामना कर उनके सफल जीवन निर्माण हेतु एक पथ प्रदर्शक का कार्य कर सके।

सबंधित शोध साहित्य का अध्ययन

त्रिपाठी, आर. (2001) ने संवेगात्मक परिपक्वता समायोजन, पारिवारिक वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ का किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव का अध्ययन किया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि सवेंगात्मक परिपक्वता समायोजन, पारिवारिक वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ का किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक अंतर नहीं पड़ता है।

इंडियोक, एट अल. (2018) ने नाइजीरिया के क्रॉस रिवर राज्य के दक्षिणी सेनेटोरियल जिले के किशोर छात्रों के सामाजिक सामायोजन पर पारिवारिक पृष्ठभूमि के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष मे पाया कि छात्रों के सामाजिक विकास पर परिवार का महत्तवपूर्ण प्रभाव रहता है। पारिवारिक संरचना छात्र को सामाजिक समायोजन को महत्तवपूर्ण से प्रभावित करती है।

न्योसु, च. एट एल. (2020) ने एनुगु राज्य में माध्यमिक विद्यालय के छात्रो के बीच पारिवारिक वातावरण और विद्यालय समायोजन का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि एनुगु राज्य में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों मध्य पारिवारिक वातावरण और विद्यालयी समायोजन के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

रानी, आर. (2021) ने माध्यमिक स्तर छात्र – छात्राओं के विद्यालयी समायोजन पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक स्तर की छात्रों के विद्यालयी समायोजन पर उच्च पारिवारिक वातावरण का ऋणात्मक प्रभाव पाया गया।

कर्ट, जे. (2022) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्कूल समायोजन पर परिवार, मित्रों और विद्यालय के माहौल के प्रभाव का अध्ययन किया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्कूल समायोजन पर परिवार, मित्रों और विद्यालय के वातावरण का सार्थक प्रभाव पाया गया है।

पाल, एस. (2023) ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन पारिवारिक वातावरण एवं उनके शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजना एवं पारिवारिक वातावरण में धनात्मक सहसंबंध पाया गया है।

जैन, अ. एट एल. (2023) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के मध्य समायोजन स्तर का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों एवं –छात्राओं के मध्य समायोजन स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया।

जिया, म. एट एल. (2025) ने चौथी कला से बाहरवी कला तक के किशोरों के स्कूली समायोजन और पारिवारिक वातावरण के मध्य समय के साथ बदलता संबंध विषय पर अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि किशोरों के स्कूली समायोजन और पारिवारिक वातावरण के मध्य समय के बदलाव की स्थिति में नकारात्मक सहसंबंध पाया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता के मध्य सहसंबंधनात्म्क प्रभाव का अध्ययन।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यालयों के छात्रों एवं छात्राओं के उनके पारिवारिक वातावरण का उनकी समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

ध्ययन की परिकल्पना

1. पारिवारिक वातावरण एंव समायोजन क्षमता के मध्य सहसंबंधनात्म्क प्रभाव के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यालयो के छात्रों एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता पर कोई सार्थक प्रभाव – नहीं पाया जायेगा।

अध्ययन के चर

प्रस्तुत शोध अध्ययन उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव के अध्ययन हेतु पारिवारिक स्वतंत्र चर एवं समायोजन क्षमता आश्रित चर को लिया गया है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करके न्यादर्श का चयन किया गया है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में उद्देश्य पूर्ति हेतु "उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियो के पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन" विषय के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के जंजगिरी व कुम्हारी क्षेत्र के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयो का चयन किया गया है। पारिवारिक वातावरण का विधार्थियों की समायोजन क्षमता के प्रभाव को जानने हेतु विद्यालयों का चयन किया गया। इन समस्त चयनित विद्यालयो मे अध्ययनरत कक्षा 11 वीं के विद्यार्थियों के जनसंख्या के रूप में शोध में सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श तकनीक

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु कुल 4 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 वीं के 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें कुल 60 छात्र एवं 60 छात्राओं को चयनित किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श तकनीक हेतु स्तरीकृत यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया है। जिसमें कुल 120 छात्र एवं छात्राओं को चयनित किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु पूर्व निर्मित मानकीकृत प्रश्नावलियों का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोधविषय अध्ययन उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता मापने हेतु निम्नलिखित संचरित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 1: उपकरणों को दर्शाने वाली सारणी

क्रमांक	उपकरण का नाम	लेखक का नाम
1	पारिवारिक वातावरण मापनी	बीना शाह
2	समायोजन क्षमता मापनी	ए.के.पी सिन्हा एवं आर. पी. सिंह

1 पारिवारिक वातावरण मापनी – यह मापनी बीना शाह द्वारा निर्मित है इसका उपयोग छात्र एवं छात्रओं के पारिवारिक वातावरण को मापने हेतु प्रयोग मे लिया गया है। यह परीक्षण सामान्यत: 35–40 मिनट में हल किया गया है। प्रस्तुत परीक्षण में कुल 90 कथन हैं जो 10 आयामों पर आधारित है– स्वतंत्रा – प्रतिबन्धता, ध्यान–उपेक्षा, प्रभुत्व–समपर्ण, स्वीकृति– अस्वीकृति, विश्वास–अविश्वास, विलासिता– परिहार, स्नेही – स्नेहहीन, प्रत्याशा – निराशा, पक्षपात – न्यायोचित, अनियंत्रित संचार – नियंत्रित संचार। इस परिक्षण में 3 प्रतिक्रिया श्रेणी सदैव, कभी–कभी, एवं कभी नहीं है। नकारात्मक कथन हेतु क्रमश: 0, 1, 2 अंक तथा सकारात्मक कथन हेतु क्रमश: 2,1, तथा 0 अंक दिए गए है। मापनी का विश्वसनीयता गुणांक 0.76 पर स्थित है।

2 समायोजन मापनी – यह मापनी डॉ. ए. के. पी. सिन्हा एवं आर. पी. सिंह द्वारा निर्माण है। इसका उपयोग छात्र एंव छात्राओं के समायोजन स्तर को मापने हेतु प्रयोग में लिया गया है। प्रस्तुत

परीक्षण में समायोजन के 3 क्षेत्र संवेगात्मक, सामाजिक एवं शैक्षिक समायोजन का मापन किया गया है। इस परिक्षण में कुल 60 पद है जिसमें संवेगात्मक समायोजन, सामाजिक समायोजन एवं शैक्षिक समायोजन के पद का शामिल है। यह मापनी व्यक्तिगत तथा सामूहिक दोनों स्वरूपों में प्रयोग की जाती है। इस मापनी में कम प्राप्तांक उच्च समायोजन को तथा अधिक प्राप्तांक निम्न समायोजन को दर्शाता है। मापनी की वैधता और विश्वसनीयता उच्च स्तर की है।

सांख्यिकी विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में सांख्यिकी हेतु मध्यमान, मानक विचलन, सहसंबंध एवं क्रांतिक अनुपात की गणना की गयी है।

परिकल्पना का प्रमाणीकरण एवं परिणाम

परिकल्पना H_01 "पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता के मध्य सहसंबंधनात्मक प्रभाव के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।"

तालिका क्रमांक 2: पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता के मध्य सहसंबंध अध्ययन आधार पर मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व सहसंबंध गुणांक

क्रमांक	चर	न्यादर्श	सहसंबंध गुणांक (r)	सार्थक / सार्थक नहीं	परिणाम
1.	परिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता	120	–0.551	सार्थक है 0.05 स्तर पर	परिकल्पना की पुष्टी नहीं होती है।

विवेचना

तालिका क्रमांक 2 से स्पष्ट होता है कि पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक (त) का मान 0.551 प्राप्त हुआ। स्वतंत्र अंश df=118 पर 0.05 स्तर के लिया सारिणी मान उपयुक्त सारिणी से अधिक है। अतः सहसंबंध गुणांक सार्थक पाया गया। यह संबध ऋणात्मक है जिससे स्पष्ट होता है कि पारिवारिक वातावरण में वृद्धि होने पर समायोजन क्षमता में कमी की परिवृति पाई जाती है। निष्कर्ष अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृ त की जाती है और निष्कर्ष में दोनों चरों के मध्य ऋणात्मक सहसंबंध विद्यामान है।

निष्कर्ष

पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता के सहसंबंध गणना के पश्चात परिणामस्वरूप शून्य परिकल्पना को स्वीकृत ना करते हुए यह कहा जा सकता है कि "पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता मध्य सहसंबंधनात्मक प्रभाव के मध्य सार्थक अंतर पाया गया।"

परिकल्पना H_02 श्उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यालयों के छात्रों एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।"

तालिका क्रमांक 3: उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात

क्रमांक	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थक नहीं है	पुष्टि
1	छात्र	60	101.23	15.50	2.016	सार्थक है 0.05	पुष्टि नहीं होती है
2	छात्राएँ	60	107.42	18.05			

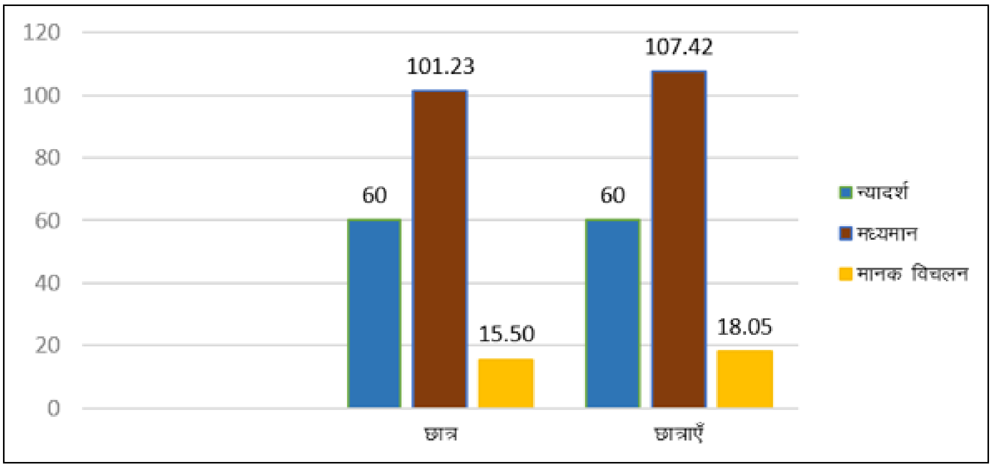

आरेख क्रमांक 1: उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात दर्शाने वाला आरेख

विवेचना

प्रस्तुत सारणी क्रमांक 3 के अनुसार छात्रों के पारिवारिक वातावरण मध्यमान 101.23 तथा छात्रों का मध्यमान मानक छात्राओं का मध्यमान 107.42 प्राप्त हुआ। छात्रों का मानक विचलन 15.50 तथा छात्राओं का मानक विचलन 18.05 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के माध्य में अंतर स्पष्ट देखा गया है जिससे संकेत प्राप्त होता है कि छात्र एवं छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर होता है।

सांख्यिकी गणना हेतु छात्र एवं छात्राओं के मध्य क्रान्तिक अनुपात की गणना की गई जिसमे क्रान्तिक अनुपात का मान 2.016 प्राप्त हुआ जो df =118 पर 0.05 स्तर के सारणी मान का 1.98 होता है चूँकि क्रांतिक अनुपार बत का मान सारणी मान से अधिक है। अतः इससे स्पष्ट होता है कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं का पारिवारिक वातावरण अधिक सार्थक है।

तालिका क्रमांक 4: उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के समायोजन क्षमता का मध्यमान, मानक विचलन व क्रांतिक अनुपात

क्रमांक	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थक नहीं है	पुष्टि
1	छात्र	60	53.32	13.52	4ण16	सार्थक है 0.05	पुष्टि नहीं होती है
2	छात्राएँ	60	42.90	13.91			

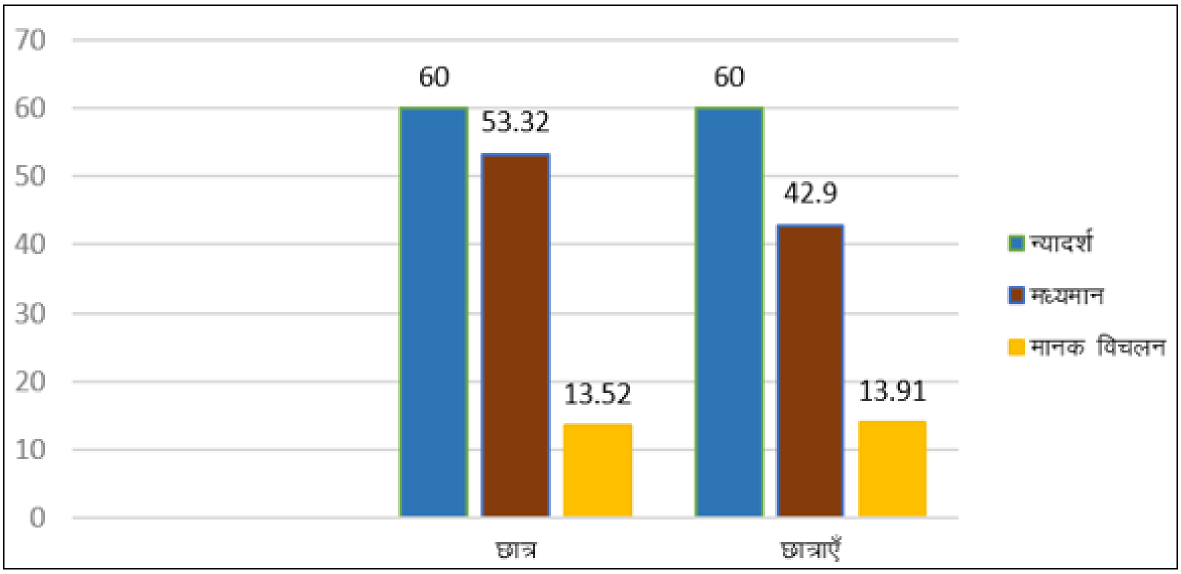

आरेख क्रमांक 2: उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के समायोजन क्षमता का मध्यमान, मानक विचलन व क्रांतिक अनुपात दर्शाने वाला आरेख

विवेचना

प्रस्तुत सारणी क्रमांक 4 के अनुसार छात्रों के समायोजन क्षमता का मध्यमान 53.32 तथा छात्राओं का मध्यमान 42.9 प्राप्त हुआ। छात्रों का मानक विचलन 13.52 तथा छात्राओं का मानक विचलन 13.91 प्राप्त हुआ। दोनो समूहों के माध्य में अंतर स्पष्ट देखा गया है। जिससे संकेत प्राप्त होता है कि के माध्य सार्थक अंतर होता है। सांख्यिकी गणना हेतु छात्र एवं छात्राओं मध्य क्रांतिक अनुपात की गणना की गई जिसमे क्रान्तिक अनुपात बत का मान 4.16 प्राप्त हुआ जो कि 118 पर 0.05 स्तर के सारणी मान का 1.98 होता है चूंकि क्रान्तिक अनुपात का मान सारणी मान से अधिक है। अतः इससे स्पष्ट होता है कि छात्राओं की अपेक्षा छात्रों की समायोजन क्षमता अधिक सार्थक है।

निष्कर्ष

सारणी क्रमांक 3 एवं 4 के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनकी समायोजन क्षमता के मध्य सार्थक अंतर पाया जाता है। चयनित शून्य परिकल्पना की पुष्टी नहीं होती है।

उपसंहार

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं समायोजन क्षमता के मध्य ऋणात्मक संबंध है अर्थात यदि विद्यार्थियों को पारिवारिक स्थिति प्राप्त हो तो उनके समायोजन स्तर में निम्नता देखी जाती है चूंकि किशोरावस्था में वह अपने सामाजिक, संवेगात्मक एवं शैक्षिक समायोजित जीवन चर्या से गुजरता है। यदि उसे सही पारिवारिक वातावरण प्राप्त हो तो वह अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकेगा एवं उच्च समायोजित व्यवहार करेगा

वहीं छात्र एवं छात्राओं के मध्य उनके पारिवारिक वातावरण का उनके समायोजन क्षमता को तुलनात्मक प्रभाव यह दर्शाता है कि छात्रों के पारिवारिक वातावरण का स्तर छात्राओं की तुलना में कम है एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का स्तर छात्रों की तुलना में निम्न है इससे स्पष्ट है कि पारिवारिक वातावरण की स्थिति छात्राओं के लिए अधिक प्रबल है वही उनके समायोजन क्षमता में तुलनात्मक विपरीत स्थिति है। छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का प्रभाव उनके समायोजन क्षमता पर अधिक उच्च पाया गया है वही छात्रों के उनके पारिवारिक वातावरण का स्तर निम्न पाया गया है। अत: स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों का प्रभाव सार्थक रूप में पाया जाता है।

संदर्भ ग्रंथ

1. Akpan-Idiok PA, AckleyA. Influence of family background on socialAdjustment ofAdolescent students of Southern Senatorial District of Cross River State, Nigeria. International Journal of Humanities, Social SciencesAnd Education,2018:5(8):227-243. doi.org/10.20431/2399-0381.0508020.
2. Bhargava V, etAl. Shiksha manovigyan [Educational psychology]. H.P. Book House; Vedant Publication, 2005.
3. JainA, Akhtar J. Uchchatar madhyamik vidhyalaya ke chhatron ke beech samayojan ke star kaAdhyayan [A study of the level ofAdjustmentAmong senior secondary school students]. Indian Journal of Psychological Science,2023:6(1):112-118.
4. Jia M, etAl. The time-varyingAssociation between family climateAndAdolescent schoolAdjustment from 4th grade to 12th grade. Journal of YouthAndAdolescence,2025:54(11):2751-2764. doi.org/10.1007/s10964-025-02219-3.
5. Karnatak K, Pandey D. Parivarik vatavaran ke sambandh mai mahila kishoro ke samayoyan ka tulnatmakAdhyanyn [A comparative study of theAdjustment of femaleAdolescents in relation to family environment]. International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR),2023:5(3):1-7.
6. Kurt DG. Effect of family, friendsAnd school climate on schoolAdjustment of middle school students. International Journal of Progressive Education,2022:18(2):193-209. https://doi.org/10.29329/ijpe.2022.431.13
7. Lal R. Shiksha ke manovaigyanikAadhar. R. Lal Book Depot, p. 01.
8. Nwosu NC. Family environmentAnd schoolAdjustmentAmong secondary school students in Enugu State. The Educational Psychologist,2020:13(1).
9. Pal SK. Madhyamik star ke vidhyarthi ke samayojan parivarik vatavaranAvim unke saikshik uplabdhi kaAdhyayan [A study ofAdjustment, family environmentAndAcademicAchievement of secondary level students] [Doctoral dissertation]. Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, 2023.

10. Pachori G. Siksha ke manovaigyanikAadhar. R. Lal Book Depot, 2006, 323.
11. Rani R. Madhyamik star ke chhatra-chhatroon ke vidyalayi samayojan par unke parivarik vatavaran ke prabhar kaAdhyayan [A study of the influence of family environment on the schoolAdjustment of secondary level students]. Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,2021:9(66).
12. Sharma Y, etAl. Shiksha ke samaj shastriyeAadhar. Kanishka Publishers & Distributors, 2012, 193-194.
13. Shukla B, Shroff S. Study of the impact of family environment of high school level students on their educationalAdjustmentAbility. Shodhkosh: Journal of VisualAnd PerformingArts,2023:4(2):1159-1163. DOI:10.29121/shodhkosh.v.4.i2.2023.2267
14. Singh H, etAl. Samaj shastra: Ek parichay.Agarwal Publication, 2014, 151,155-156.
15. Singh P, Paswan M. Samvaigatmak buddhi ke sandarbh mai vidhyanthiyo ki sraynatmaktaAvim saiksh uplabdhi kaAdhyayn [Study of students' creativityAndAcademicAchievement in context of emotional intelligence]. International Journal of LiteracyAnd Education,2022:2(2):107-110.